वार्षिक पत्रिका
अंक : 21 (2013-2014)

प्रवाहिनी

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
जलविज्ञान भवन
रूड़की - 247 667 (उत्तराखण्ड)

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की

हिन्दी दिवस समारोह

वार्षिक पत्रिका

अंक : 21 (2013–2014)

प्रवाहिनी

आपो हि ष्ठा मयोभुवः

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
जलविज्ञान भवन
रूड़की – 247 667 (उत्तराखंड)

संपादक मंडल

डॉ. सुधीर कुमार, वैज्ञानिक : 'जी' एवं अध्यक्ष, प्रलेखन प्रकोष्ठ

डॉ. रमा मेहता, वैज्ञानिक : 'डी' एवं राजभाषा प्रभारी

श्री दिगंबर सिंह, वैज्ञानिक : 'बी'

श्री प्रदीप कुमार उनियाल, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक

श्री पवन कुमार, वयैक्तिक सहायक

प्रूफ़ रिडिंग सहयोगः

श्री अशोक शर्मा

कंपोज़िंग एवं टंकण सहयोगः

श्री योगेश चन्द्र जोशी

नोट : इस पत्रिका में संकलित विचार लेखकों के अपने हैं, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान एवं संपादक मंडल का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

अनुक्रमणिका

क्रमांक	विषय–वस्तु	पृष्ठ संख्या
1.	मातृभाषा – संस्कृति व परम्परा की जीवंतता **निशा किचलू**	1–2
2.	जलवायु परिवर्तन पर एक दृष्टि **डॉ. तेजराम नायक**	3–4
3.	14 सितंबर "हिन्दी दिवस" ही नहीं आत्ममंथन और राष्ट्रीय चेतना दिवस भी है **डॉ. रमा मेहता**	5–7
4.	वाह रे जिन्दगी **पी.के. मिश्र**	8
5.	भारतीय मानसून और जलवायु परिवर्तन **मनीष कुमार नेमा**	9–12
6.	अंगदान–महादान **श्रीमति निधि गर्ग**	13–15
7.	ज्ञान–विज्ञान के अमूल्य स्रोत : भारतीय पुस्तकालय **डॉ. दीपक डोभाल**	16–20
8.	अनमोल वचन **दिगम्बर सिंह**	21–23
9.	प्रकृति – एक मुफ़्त चिकित्सक व मुफ़्त दवाओं का खजाना **पारूल**	24–25
10.	नर्मदा कछार में बाढ़ पूर्वानुमान का महत्व **डॉ. तेजराम नायक**	26–27
11.	कन्या भ्रूण हत्या : एक अभिशाप **श्रीमति ज्योति ध्यानी**	28–29
12.	परोपकार **मौहर सिंह**	30
13.	मानव जीवन में मौन का रहस्य **आत्मप्रकाश**	31
14.	भारत के संविधान में राजभाषा से संबंधित संवैधानिक प्रावधान **हिन्दी प्रकोष्ठ**	32–36
15.	समाज की सबसे बड़ी त्रासदी–ऐसिड़ अटैक **अंशिका**	37–40
16.	बढ़ते भ्रष्टाचार के लिए हम कितने दोषी ? **नरेश कुमार**	41
17.	वर्षा जल संग्रहण एवं सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचना तंत्र **पी.के. अग्रवाल एवं तनवीर अहमद**	42–45
18.	तुम्हें क्या फिक्र **एन. प्रसाद खर्कवाल**	46
19.	उत्तराखंड में बार–बार क्यों आती हैं प्राकृतिक आपदाएं **नरेश कुमार एवं मनोहर अरोरा**	47–54
20.	सुदूर संवेदन : एक परिचय **तनवीर अहमद एवं नरेश कुमार**	55–58

21.	अनमोल वचन **श्रीमति कृष्णा सैनी**	59
22.	रगंहीन द्रव **श्रीमति रूकसाना बेगम**	60
23.	आयापान (विशल्य करणी) **पी.आर. भट्ट**	61–62
24.	धरती मां **रामनाथ सिंह**	63
25.	कमी हिन्दीभाषियों में है हिन्दी में नहीं **योगेश चन्द्र जोशी**	64–66
26.	हरिद्वार : देवभूमि उत्तराखंड का प्रवेश द्वार **डॉ. अनिल शर्मा**	67–71
27.	जलसंरक्षण : भविष्य में निर्भरता और चुनौती **संजय गोस्वामी**	72–73
28.	विश्वबन्धुत्व दिवस 25 अगस्त पर आध्यात्म ज्ञान का ज्योति पूंज थी प्रकाशमणि दादी **डॉ. श्रीगोपालनारसन**	74–75
29.	गंगा नदी : विकास और प्रदूषण **डॉ. अनिल कुमार लोहनी**	76–84
30.	वक्त **रामनाथ सिंह**	85
31.	हिन्दी मास–2013 के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत अधिकारियों/कर्मचारियों की नामावली	86–87
32.	वर्ष 2013–2014 के दौरान ''सरकारी कामकाज (टिप्पण/आलेखन) मूल रूप से हिन्दी में करने'' संबंधी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत पुरस्कृत रा.ज.सं. कर्मचारियों की सूची	88